DAILY ASSAM

पाठ-13

भगतिन मौसी

चंदन तिलक लगाकर ओढ़ा
राम नाम का शाल।
कंठी पहने आई बिल्ली
लेकर तुलसी-माल।
बोली - "चूहो! मैं जाऊँगी
करने तीरथ धाम।
आकर चरन छूओ मौसी के
झुककर करो प्रणाम।
बिल के अंदर क्यों बैठे हो ?
आओ मेरे पास।
मैं भगतिन बन गई आज से
कर लो तुम विश्वास।"
बूढ़ा चूहा अंदर से ही
बोला खाँस-खखार।
"नहीं तुम्हारी बातों में है
मौसी कुछ भी सार।

सौ-सौ चूहे खाकर अब तुम
लोगी हरि का नाम।
वही कहावत - छुरी बगल में
लेकिन मुँह में राम।"

मन ही मन खिसियाई बिल्ली
चली न उसकी चाल।
लगी नोचने खंभा चढ़कर
गली न उसकी दाल।

आओ, निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को मिलजुल कर गाएँ :

DAILY ASSAM

बिल्ली का जन्मदिन

छत पर बैठी बिल्ली मौसी
लगी देखने सपना
एक महल था जहाँ
जन्मदिन मना रही थी अपना।
शेर, लोमड़ी, बंदर, भालू,
घोड़ा, ऊँट, सियार,
भर-भर चूहों के डिब्बे
लाए थे उपहार
मेहमानों की आँख बचाकर
डिब्बे पर जो झपटी
मुँह के बल आ गई सड़क पर
नाक हो गई चपटी।

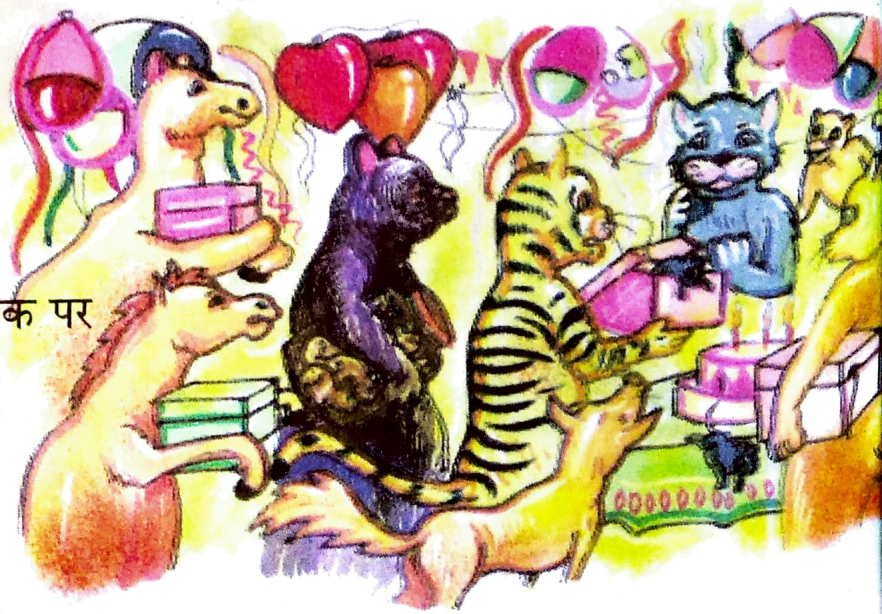

अभ्यास-माला

पाठ से

1. संक्षेप में उत्तर दो :

(क) बिल्ली ने राम नाम का शाल क्यों ओढ़ा था ?

(ख) बिल्ली के बुलाने पर भी बूढ़ा चूहा पास क्यों नहीं आया ?

(ग) क्या बिल्ली सचमुच तीर्थ-यात्रा पर जाने वाली थी ? भगतिन बनने के पीछे उसका अभिप्राय क्या था ?

(घ) 'चली न उसकी चाल' यहाँ किसकी कौन-सी चाल की बात की गई है ?

(ङ) इस कविता से हमें कौन-सी सीख मिलती है ?

पाठ के आस-पास

1. (क) बिल्ली की चतुराई के बारे में कोई अन्य कविता व कहानी कक्षा में सुनाओ।

(ख) आजकल कुछ ढोंगी साधु भी लोगों को कई तरह के आश्वासन देकर ठगते हैं। तुम अपने माता-पिता से उनके बारे में जानकारी प्राप्त करो और ऐसे मामलों में किस की तरह सावधानियाँ बरतनी चाहिए, अपने सहपाठियों के बीच चर्चा करो।

(ग) बिल्लियों के साथ बंदर की चतुराई के बारे में एक मजेदार कहानी है। शिक्षक/शिक्षिका से जान लो।

2. चित्रों के नाम लिखो और वाक्यों को पूरा करो :

घोंसला	बिल	गुफा	छत्ता

(क) यह ..... का ..... है।

(ख) यह ..... का ..... है।

(ग) यह ..... का ..... है।

(घ) यह ..... का ..... है।

आओ, जानें :

बंदर नहीं बनाते घर

बंदर नहीं बनाते घर
घूमा करते इधर-उधर
आकर कहते, खो-खो-खो
रोटी हमें न देते क्यों ?
छीन-झपट ले जाएँगे
बैठ पेड़ पर खाएँगे।

भाषा-अध्ययन

1. **आओ, इन वाक्यांशों के अर्थ जानें :**

मुँह में राम बगल में छुरी (कहावत) = मित्रता का दिखावा करना।
खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे (कहावत) = गुस्सा कहीं और निकालना
चाल चलना (मुहावरा) = धोखा देने का प्रयत्न करना।
दाल न गलना (मुहावरा) = वश न चलना।
सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को निकली (कहावत) = पापी व्यक्ति का पुण्य करने हेतु निकल पड़ना।

2. निम्नलिखित वाक्यों का काल-निर्धारण करो :

(क) बिल्ली ने राम नाम का शाल ओढ़ा।

(ख) मैं तीरथ-धाम करने जाऊँगी।

(ग) मौसी के चरण छूओ।

(घ) मैं भगतिन बन गई।

3. निम्नांकित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखो :

पास	X	बूढ़ा	X
आज	X	दिन	X
अंदर	X	विश्वास	X

DAILY ASSAM

4. नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़ो और इनमें से विशेषण छाँटकर नीचे दिए गए कलश के चित्र में भरो :

अ) राजीव, एक अच्छी कलम दो।

आ) नहीं, नहीं, नीली कलम खराब है।

इ) लाल कलम ही दो।

ई) रूपम स्वस्थ लड़का है।

उ) वह पढ़ाई में भी तेज है।

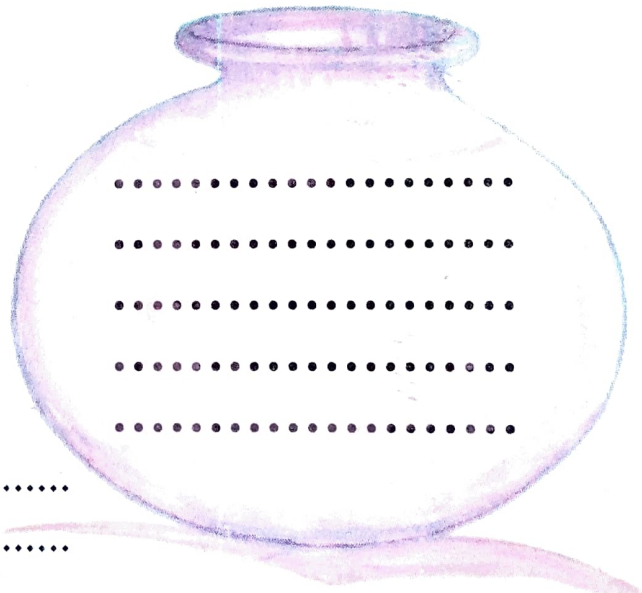

5. इन शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो :

चरण = ...

वृद्ध = ...

हरि = ...

साँप = ...

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
भगतिन	= भगवान की भक्ति करने वाली	छूना	= स्पर्श करना
ओढ़ना	= कपड़े से शरीर को ढँकना	बिल	= चूहों के रहने का स्थान
माल	= माला	खंभा नोचना	= खंभे पर नाखून मारना
तीरथ धाम	= तीर्थस्थान	दाल न गलना	= वश न चलना
चरण	= पैर, पाँव	कंठी	= छोटी गुरियों की माला
		सार	= सारांश